

प्रेषक,

सुनीलश्री पांथरी
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग- 5

देहरादून: दिनांक: 13 मार्च 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में जिला चिकित्सालय चम्पावत (60 शैय्यायुक्त) की पुनरीक्षित स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-74/1/जि0चि0/2/2003/34569 दिनांक 06.11.08 के संदर्भ में तथा शासनादेश संख्या-468/चि0-3-2003-60/2003 दिनांक 31.03.2003 जिसके द्वारा हेतु जिला चिकित्सालय चम्पावत के भवन निर्माण हेतु रु0 2,93,78,000.00 की लागत पर अनुमोदन प्रदान किया गया है, के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2008-09 में जिला चिकित्सालय, चम्पावत के भवनों के निर्माण हेतु भवन की लागत रु0 2,93,78,000.00 (रुपये दो करोड़ तिरानवे लाख अठहत्तर हजार मात्र) के सापेक्ष औचित्यपूर्ण पुनरीक्षित लागत रु0 6,06,60,000.00 (रुपये छः करोड़ छः लाख साठ हजार मात्र) की पुनरीक्षित लागत पर प्रशासकीय/वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए रु0 1,00,00,000.00 (रुपये एक करोड़ मात्र) के धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1. चिकित्सालयों के भावी निर्माण कार्य हेतु Modern Technology, Material rate and Utility को देखते हुए लोक निर्माण विभाग से समन्वय करते हुए Specifications निर्धारित कर लिए जाए।
2. वर्तमान में संचालित सी0एच0सी0 का वैकल्पिक उपयोग सुनिश्चित कर लिया जाए।
3. धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, पिथौरागढ़ इकाई चम्पावत को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित किया जायेगा। कार्य की समयसारणी निर्धारित करते हुए कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।
4. आगणन में उल्लिखित दरें केवल आगणन गठित के लिये ही अनुमन्य है। कराने से पूर्व दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
5. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाये।
6. कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
7. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करना आवश्यक होगा।
8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्ट्यों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

9. कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्चधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये।
10. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
11. जी0पी0डब्लू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
12. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के आदेश संख्या-2047/XIV-219(2006)दि0 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
13. निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से एवं स्वीकृत लागत में पूर्ण किया जाए तथा इसे सुनिश्चित करने के लिए वित्त विभाग के आदेश अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 निष्पादित किया जाए।
14. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय आय-व्ययक 2008-09 के अनुदान संख्या-12 लेखशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय, 01-शहरी स्वास्थ्य सेवायें, 110-अस्पताल तथा औषधालय, 10-नये जनपद बागेश्वर, चम्पावत तथा रुद्रप्रयाग में जिला चिकित्सालय का निर्माण -00-आयोजनागत-24-वृहद् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
15. यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-592(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3 /2008 दिनांक : 12.03.09 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुनीलश्री पांथरी)

उप सचिव

संख्या 104(1)/XXVIII-5-2009-60/2003 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊं मण्डल उत्तराखण्ड।
- 4- स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड।
- 5- जिलाधिकारी, चम्पावत।
- 6- वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 7- मुख्य चिकित्साधिकारी, चम्पावत।
- 8- मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून/चम्पावत
- 9- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री।
- 10- अपर सचिव, मा0 मुख्यमंत्री।
- 11- निजी सचिव, मा0 चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री।
- 12- परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0, पिथौरागढ़ इकाई, चम्पावत
- 13- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
- 14- वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आर0सी0।
- 15- मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 16- गार्ड फाईल।

(सुनीलश्री पांथरी)

उप सचिव

शासनादेश सं०-५७५ /XXVIII-5-2009-60/2003 ,दिनांक: १३ मार्च का संलग्नक

(धनराशि लाख रु० में)

क्र० सं०	कार्य का विवरण	निर्माण इकाई	मूल लागत	अबतक अवमुक्त कुल धनराशि	पुनरीक्षित लागत	वर्ष 2008-09 में स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	जिला चिकित्सालय चम्पावत (60 शैयायुक्त) का भवन निर्माण	उ० प्र० राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड	293.78	293.78	606.60	100.00
		योग	293.78	293.78	606.60	100.00

(रु० एक करोड़ मात्र)

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव